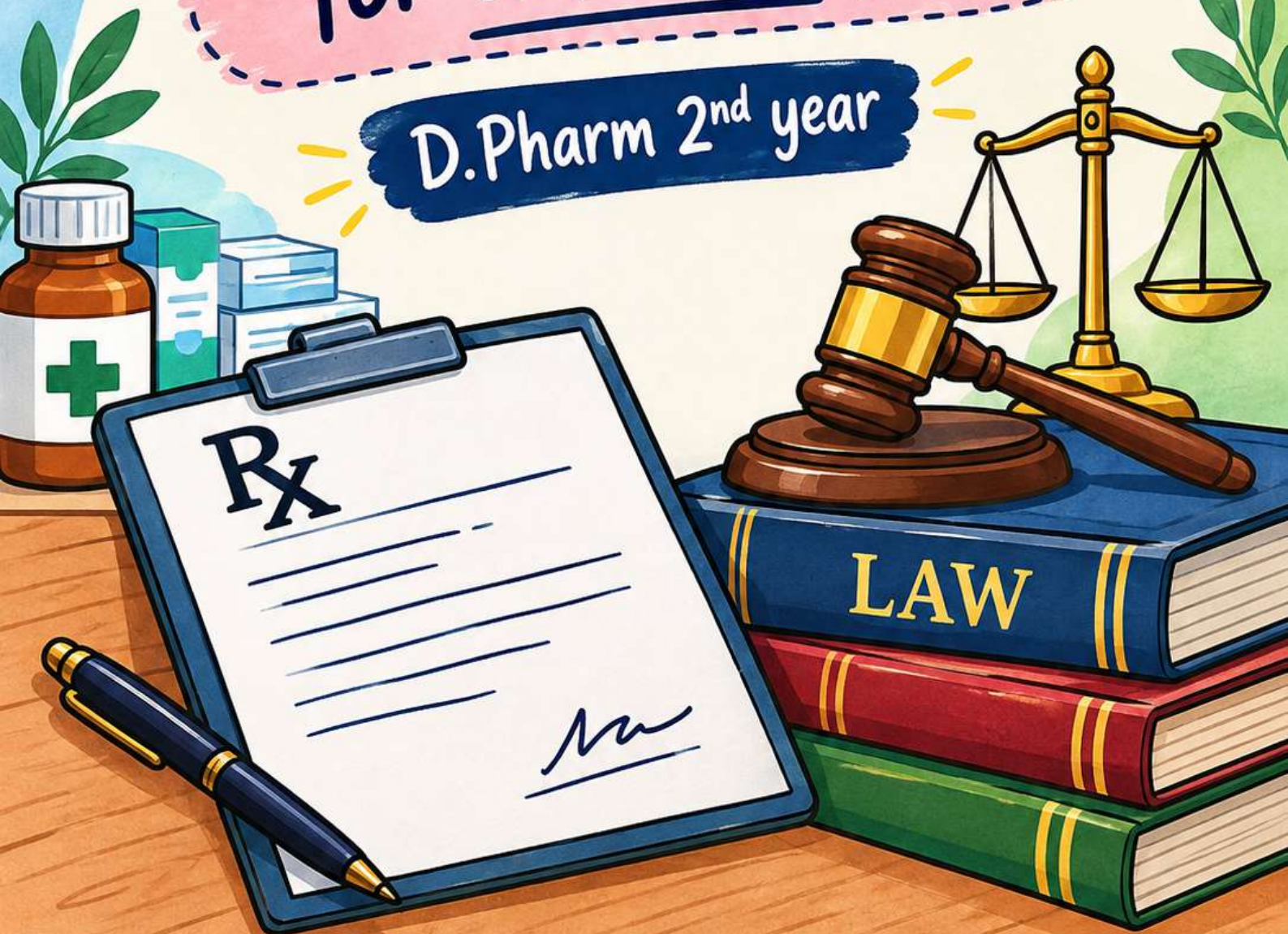




Community Pharmacy and Management

Legal Requirements
for a Prescription

D.Pharm 2nd year



LEGAL REQUIREMENTS FOR A PRESCRIPTION

(प्रिस्क्रिप्शन की कानूनी आवश्यकताएँ)

Introduction (परिचय)

A prescription is a written or electronic direction issued by a Registered Medical Practitioner (RMP) or another legally authorized practitioner, such as a dentist or veterinarian, instructing a pharmacist to dispense a specified medicine in a particular quantity to a patient.

प्रिस्क्रिप्शन एक लिखित या इलेक्ट्रॉनिक निर्देश है जो किसी पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी – Registered Medical Practitioner (RMP) या अन्य कानूनी रूप से अधिकृत चिकित्सक, जैसे दंत चिकित्सक या पशु चिकित्सक द्वारा फार्मासिस्ट को किसी रोगी के लिए निश्चित मात्रा में दवा देने हेतु दिया जाता है। [PCI]



For a prescription to be legally acceptable and safe for dispensing, it should contain certain essential particulars and must comply with the requirements laid down under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, Drugs Rules, 1945, Pharmacy Act, 1948 and Pharmacy Practice Regulations.

किसी प्रिस्क्रिप्शन को कानूनी रूप से स्वीकार्य तथा सुरक्षित रूप से डिस्पेंस करने योग्य होने के लिए उसमें आवश्यक विवरण होना चाहिए तथा उसे Drugs and Cosmetics Act, 1940, Drugs Rules, 1945, Pharmacy Act, 1948 तथा Pharmacy Practice Regulations के प्रावधानों का पालन करना चाहिए।

1 Prescription Must Be in Writing (प्रिस्क्रिप्शन लिखित होना चाहिए)

The prescription should be written or issued in a legally acceptable electronic form.

A written prescription provides clear evidence of the prescriber's instructions and reduces the possibility of misunderstanding during dispensing.

प्रिस्क्रिप्शन लिखित या कानूनी रूप से स्वीकार्य इलेक्ट्रॉनिक रूप में होना चाहिए। लिखित प्रिस्क्रिप्शन चिकित्सक के निर्देशों का स्पष्ट प्रमाण प्रदान करता है तथा दवा देते समय गलतफहमी की संभावना को कम करता है।

Under the Drugs Rules, a prescription for prescription-only medicines must be properly written and authenticated by the person issuing it. [CDSCO]

2 Name and Details of the Prescriber (चिकित्सक का नाम एवं विवरण)

The prescription should clearly mention the details of the prescriber, such as:

- Name of the prescriber (चिकित्सक का नाम)
- Professional qualification (व्यावसायिक योग्यता)
- Clinic or hospital address (क्लिनिक या अस्पताल का पता)
- Registration number (पंजीकरण संख्या)
- Contact details, where applicable (संपर्क विवरण, जहाँ लागू हो)



These particulars help to establish the identity and professional authority of the person issuing the prescription.

ये विवरण प्रिस्क्रिप्शन जारी करने वाले चिकित्सक की पहचान तथा उसकी व्यावसायिक वैधता स्थापित करने में सहायता करते हैं।

Legal Requirements for a Prescription

(प्रिस्क्रिप्शन की कानूनी आवश्यकताएँ)

3 Prescriber's Signature (चिकित्सक के हस्ताक्षर)

A legally valid prescription should bear the usual signature of the prescriber.

कानूनी रूप से वैध प्रिस्क्रिप्शन पर चिकित्सक के सामान्य हस्ताक्षर होना आवश्यक है।

The signature confirms that the prescription has actually been authorized by the prescriber.

A pharmacist should not dispense a prescription medicine from an unauthenticated prescription where legal authentication is required.

हस्ताक्षर यह पुष्टि करते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन वास्तव में चिकित्सक द्वारा अधिकृत किया गया है। जहाँ कानूनी प्रमाणीकरण आवश्यक हो, वहाँ फार्मासिस्ट को बिना प्रमाणित प्रिस्क्रिप्शन के दवा नहीं देनी चाहिए। [CDSCO]



4 Date of Prescription (प्रिस्क्रिप्शन की तारीख)

The prescription must contain the date on which it was issued.

प्रिस्क्रिप्शन पर जारी करने की तारीख लिखी होनी चाहिए।

The date is important because it helps the pharmacist determine whether the prescription is current and whether any legal restrictions concerning repeat dispensing or controlled medicines apply.

तारीख महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे फार्मासिस्ट यह निर्धारित कर सकता है कि प्रिस्क्रिप्शन वर्तमान है या नहीं तथा पुनः दवा देने या नियंत्रित औषधियों से संबंधित कानूनी प्रतिबंध लागू होते हैं या नहीं। [CDSCO]



5 Patient's Name and Address (रोगी का नाम और पता)

The prescription should specify the name and address of the patient for whom the medicine is prescribed.

प्रिस्क्रिप्शन में उस रोगी का नाम और पता लिखा होना चाहिए जिसके लिए दवा निर्धारित की गई है।

For veterinary prescriptions, the name and address of the owner of the animal should be mentioned.

पशु चिकित्सा संबंधी प्रिस्क्रिप्शन में पशु के मालिक का नाम और पता लिखा जाना चाहिए। [CDSCO]



6 Age and Sex of the Patient (रोगी की आयु और लिंग)

The patient's age and sex should preferably be mentioned in the prescription. These details are particularly important in children, elderly patients and special populations because drug doses may vary according to age and physiological condition.

प्रिस्क्रिप्शन में रोगी की आयु और लिंग का उल्लेख होना चाहिए। यह जानकारी विशेष रूप से बच्चों, वृद्ध रोगियों तथा विशेष परिस्थितियों वाले रोगियों में महत्वपूर्ण है क्योंकि दवा की मात्रा आयु तथा शारीरिक स्थिति के अनुसार बदल सकती है।

Pharmacy Practice Regulations list patient information such as name, address, age and sex among the contents of a prescription. [PCI]



7 Rx Symbol or Superscription (Rx चिन्ह या सुपरसक्रिप्शन)

The prescription generally begins with the symbol Rx.

प्रिस्क्रिप्शन सामान्यतः Rx चिन्ह से प्रारंभ होता है।

It indicates that the instructions following it relate to the medicines prescribed for the patient.

यह दर्शाता है कि इसके बाद लिखे गए निर्देश रोगी के लिए निर्धारित दवाओं से संबंधित हैं। [PCI]



8 Name of the Medicine (दवा का नाम)

The name of each medicine prescribed should be clearly mentioned.

निर्धारित की गई प्रत्येक दवा का नाम स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए।

The pharmacist should be able to identify the drug without ambiguity. Illegible or doubtful medicine names should be clarified with the prescriber before dispensing.

फार्मासिस्ट को दवा की पहचान बिना किसी संदेह के कर सकना चाहिए। अस्पष्ट अथवा संदिग्ध दवा के नाम को डिस्पेंस करने से पहले चिकित्सक से स्पष्ट कर लेना चाहिए।



Legal Requirements for a Prescription

(प्रिस्क्रिप्शन की कानूनी आवश्यकताएँ)

9 Strength of the Medicine (दवा की शक्ति)

The strength or concentration of the medicine should be clearly stated wherever necessary.

For example:

Paracetamol 500 mg tablet



जहाँ आवश्यक हो वहाँ दवा की शक्ति या सांद्रता स्पष्ट रूप से लिखी जानी चाहिए।

इससे गलत शक्ति की दवा दिए जाने से बचा जा सकता है, विशेष रूप से तब जब एक ही दवा विभिन्न शक्तियों में उपलब्ध हो।

10 Dosage Form (औषधि का डोजेज फॉर्म)

The dosage form should be mentioned whenever required, such as:

- Tablet (टैबलेट)
- Capsule (कैप्सूल)
- Syrup (सिरप)
- Injection (इंजेक्शन)
- Ointment (ऑइंटमेंट)
- Drops (ड्रॉप्स)



एक ही दवा अनेक डोजेज फॉर्म में उपलब्ध हो सकती है, इसलिए यह जानकारी दवा देने की त्रुटियों को रोकती है।

11 Total Quantity of Medicine (दवा की कुल मात्रा)

The prescription must indicate the total quantity of medicine to be supplied.

For example:

- 10 tablets
- 60 mL syrup
- 5 ampoules



The Drugs Rules specifically require the prescription to indicate the total amount of medicine to be supplied. [CDSCO]

12 Dose of the Medicine (दवा की खुराक)

The dose to be taken by the patient should be clearly specified.

For example:

One tablet twice daily



रोगी द्वारा ली जाने वाली दवा की खुराक स्पष्ट रूप से लिखी जानी चाहिए।

खुराक इतनी स्पष्ट होनी चाहिए कि फार्मासिस्ट तथा रोगी दोनों उसे बिना भ्रम के समझ सकें।

13 Route of Administration (दवा देने का मार्ग)

The route through which the medicine is to be administered should be stated whenever necessary.

Examples include:

- Oral (मुख द्वारा)
- Intravenous - IV (शिरा द्वारा)
- Intramuscular - IM (मांसपेशी द्वारा)
- Topical (त्वचा पर)
- Inhalational (श्वसन द्वारा)



गलत मार्ग से दवा देने पर गंभीर हानि हो सकती है।

14 Frequency of Administration (दवा लेने की आवृत्ति)

The prescription should indicate how often the medicine is to be taken.

Examples:

- Once daily (दिन में एक बार)
- Twice daily (दिन में दो बार)
- Three times daily (दिन में तीन बार)
- At bedtime (सोने से पहले)



निर्देश स्पष्ट तथा रोगी के लिए आसानी से समझने योग्य होने चाहिए।

15 Duration of Treatment (उपचार की अवधि)

The duration for which the medicine is to be used should be stated wherever appropriate.

Example:

One tablet twice daily for 5 days.



उपचार की अवधि विशेष रूप से उन दवाओं के लिए महत्वपूर्ण है जैसे एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड और अन्य दवाएँ, जिन्हें नियंत्रित अवधि तक लेना होता है।

16 Directions to the Pharmacist (फार्मासिस्ट के लिए निर्देश)

The prescription may contain specific directions to the pharmacist regarding:

- Quantity to be dispensed
- Preparation or compounding
- Dosage form
- Special packaging
- Labelling



इन निर्देशों को पारंपरिक रूप से **subscription** कहा जाता है।

Legal Requirements for a Prescription

(प्रिस्क्रिप्शन की कानूनी आवश्यकताएँ)

17 Directions to the Patient (रोगी के लिए निर्देश)

The prescription should provide clear directions regarding the use of medicine. These directions are transferred by the pharmacist to the medicine label.

They may include:

- Dose
- Frequency
- Route
- Duration
- Relation with food
- Special precautions



प्रिस्क्रिप्शन में रोगी को दवा के उपयोग संबंधी स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए। फार्मासिस्ट इन निर्देशों को दवा के लेबल पर लिखता है। [PCI]

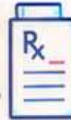
18 Refill or Repeat Instructions (दवा दोबारा देने के निर्देश)

The prescriber should clearly specify whether the prescription can be refilled or repeated.

For medicines covered under Schedules H, H1 and X, the prescription must not be dispensed more than once unless the prescriber has specifically indicated that it may be repeated.

If the prescriber specifies a particular number of times or at particular intervals, the pharmacist must follow those instructions exactly.

यदि चिकित्सक दवा को निश्चित संख्या में अथवा निश्चित अंतराल पर दोबारा देने का निर्देश देता है, तो फार्मासिस्ट को उसी के अनुसार दवा देनी चाहिए। [CDSCO]



19 Special Requirements for Schedule H, H1 and X Drugs (Schedule H, H1 और X दवाओं की विशेष कानूनी आवश्यकताएँ)

Certain medicines are subject to stricter control under the Drugs Rules, 1945.

Schedule H Drugs (Schedule H दवाएँ)

Sold by retail only against the prescription of a Registered Medical Practitioner.

Schedule H1 Drugs (Schedule H1 दवाएँ)

Carry stricter warnings and not supplied without the prescription of an RMP.

Schedule X Drugs (Schedule X दवाएँ)

More stringent restrictions on sale, dispensing and storage. Prescription-only and stored under security conditions.

20 No Unauthorized Substitution (बिना अनुमति दवा का प्रतिस्थापन नहीं)

A pharmacist should dispense the medicine prescribed by the Registered Medical Practitioner and should not make an unauthorized substitution.

Under the Drugs Rules, a person dispensing a prescription containing Schedule H, H1 or X substances may not supply another preparation in its place merely because it contains the same substance.

The Pharmacy Council of India also states that a registered pharmacist should dispense medicines as prescribed and should not substitute the prescription contrary to applicable regulations.

फार्मासिस्ट को बिना अनुमति दवा का प्रतिस्थापन नहीं करना चाहिए। [CDSCO] [PCI]



21 Dispensing Details Should Be Recorded (डिस्पेंसिंग का विवरण दर्ज करना)

When a prescription containing Schedule H, H1 or X drugs is dispensed, the required dispensing particulars must be recorded on the prescription.

The Drugs Rules require that the name and address of the seller and the date of dispensing be noted on the prescription at the time of dispensing.

Schedule H, H1 अथवा X दवा वाले प्रिस्क्रिप्शन को डिस्पेंस करते समय विक्रेता का नाम, पता तथा डिस्पेंस करने की तारीख प्रिस्क्रिप्शन पर दर्ज की जानी चाहिए। [CDSCO]



22 Prescription Must Be Dispensed by a Registered Pharmacist (प्रिस्क्रिप्शन केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट द्वारा डिस्पेंस किया जाना चाहिए)

Under Section 42 of the Pharmacy Act, 1948, no person other than a Registered Pharmacist may compound, prepare, mix or dispense medicines on the prescription of a medical practitioner, subject to exceptions.

This makes the registered pharmacist legally responsible for proper dispensing practice.

Pharmacy Act, 1948 की धारा 42 के अनुसार केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट द्वारा ही दवा देना चाहिए। [PCI]



23 Prescription Should Be Clear and Unambiguous (प्रिस्क्रिप्शन स्पष्ट एवं संदेह रहित होना चाहिए)

A pharmacist should carefully examine the prescription before dispensing. Particular attention should be given to:

- | | |
|---------------|---|
| • Drug name | • Route |
| • Strength | • Frequency |
| • Dose | • Quantity |
| • Dosage form | • Possible incompatibility or obvious error |

If the prescription is unclear, incomplete or doubtful, the pharmacist should obtain clarification from the prescriber before dispensing.

यदि प्रिस्क्रिप्शन अस्पष्ट, अधूरा या संदिग्ध है, तो फार्मासिस्ट को दवा देने से पहले चिकित्सक से स्पष्टीकरण प्राप्त करना चाहिए।



Role of Pharmacist in Legal Prescription Handling (कानूनी प्रिस्क्रिप्शन के संबंध में फार्मासिस्ट की भूमिका)

Verify authenticity and completeness, check medicine details, follow legal restrictions, provide proper labelling and directions, maintain records and seek clarification when necessary.

दवा देने से पहले प्रिस्क्रिप्शन की पूर्णता एवं प्रामाणिकता की जाँच करना, दवा की जानकारी, कानूनी नियमों का पालन करना, सही लेबल एवं निर्देश देना, आवश्यक रिकॉर्ड रखना तथा आवश्यकता होशे पर चिकित्सक से स्पष्टीकरण प्राप्त करना।



BEST BOOKS FOR D.PHARMA 2ND YEAR
Bilingual Book (द्विभाषी पुस्तक)

As per the
PCI syllabus
of 1st & 2nd semesters

CASH ON DELIVERY AVAILABLE ON **amazon** **Flipkart** **m**

6395596959, 8006781759



COD AVAILABLE ON



Flipkart



amazon

meecho

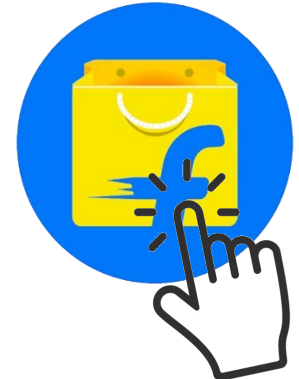
D.Pharm 2nd Year

MISSION BIEUP
Bilingual (Hindi+English)

1 BOOK कितनाब | 2 LANGUAGE भाषाएँ | 6 SUBJECT विषय

FULLY COLOURED IMAGE | 306 TABLETS WITH IMAGES | 1260 ONE MARK QUESTIONS | FREE PRACTICE QUESTIONS

Subjects Covered
PHARMACOLOGY
COMMUNITY PHARMACY & MANAGEMENT
BIOCHEMISTRY & CLINICAL PATHOLOGY
PHARMACOTHERAPEUTICS
HOSPITAL & CLINICAL PHARMACY
PHARMACY LAW & ETHICS



Contact for any Query - 6395596959



PHARMACY INDIA
www.pharmacyindia.co.in



PHARMACY INDIA

www.pharmacyindia.co.in



Join YouTube Channel



Pharmacy India Live

For Pharmacist Exam Preparations

SUBSCRIBE



Join WhatsApp & Telegram Channel



WhatsApp



Telegram

PHARMACY INDIA



Join Pharmacy India app



PHARMACY INDIA